मकर संक्रांति से पहले महंगा होने लगा गुड़

बिजनेस भास्कर • नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गन्ने के राज्य समर्थित मूल्य (एसएपी) में 40 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी और खराब मौसम से पिछले दो दिनों में गुड़ के दाम 100 से 150 रुपये प्रति क्विंटल तक बढ़ चुके हैं। मकर संक्रांति के त्यौहार के कारण पंजाब और हरियाणा से गुड़ की मांग भी बढ़ी है, ऐसे में मौजूदा कीमतों में और भी तेजी की संभावना है।

देशराज राजेंद्र कुमार के प्रबंधक देशराज ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने गन्ने का एसएपी 40 रुपये बढ़ाकर 280 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। ऐसे में कोल्हू संचालकों को गन्ने की खरीद ऊंचे दाम पर करनी पड़ रही है। वैसे भी पिछले दो-तीन दिनों से मौसम खराब होने से गुड़ का उत्पादन भी प्रभावित हुआ है जिसकी वजह से कीमतों में 100 से 150 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी आई है। दिल्ली में गुड़ चाकू का भाव बढ़कर 2,750-2,850 रुपये और गुड़ पेड़ी का भाव 2,850-2,950 रुपये प्रति क्विंटल हो गया।

फेडरेशन ऑफ गुड़ ट्रेडर्स के अध्यक्ष अरुण खंडेलवाल ने बताया कि उत्पादक क्षेत्रों में मौसम खराब होने से गुड़ का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। शनिवार को मुजफ्फरनगर मंडी में गुड़ की दैनिक आवक घटकर मात्र 5,000 से 6,000 कट्टों (एक कट्टा-40) की रह गई जबकि सप्ताह के शुरू में दैनिक आवक 15,000 से 17,000 कट्टों की हो रही थी। उन्होंने बताया मकर संक्रांति के त्यौहार के कारण पंजाब और हरियाणा की मांग गुड़ में बढ़ गई है। ऐसे में मौजूदा कीमतों में और भी तेजी की संभावना है।

गुड़ के थोक कारोबारी हरिशंकर मुंदड़ा ने बताया कि मांग के मुकाबले आवक कम होने से शनिवार को गुड़ की कीमतों में 25 रुपये की तेजी आकर चाकू के भाव 1,020 से 1,100 रुपये, पेड़ी के भाव 1,030 से 1,060 रुपये और रसकट के भाव 900 से 915 रुपये प्रति 40 किलो हो गए। उन्होंने बताया कि पहले कोल्हू संचालक 200 से 220 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गन्ने की खरीद कर रहे थे लेकिन अब 250 से 260 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गन्ना खरीदना पड़ रहा है। इसीलिए गुड़ की कीमतों में गिरावट की संभावना नहीं है।

तेजी के कारक

- यूपी में गन्ने का खरीद मूल्य 40 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा
- कोल्हू संचालकों को महंगा मिल रहा है गन्ना
- मौसम खराब होने से गुड़ का उत्पादन भी प्रभावित
- मंडियों में गुड़ की सप्लाई धीमी पड़ गई